भारत सरकार

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2698

मंगलवार, दिनांक 11 अगस्त, 2026 को उत्तर दिए जाने हेतु

हरियाणा में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का विस्तार

2698 श्री संजय भाटिया:

क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) हरियाणा में पिछले दो वर्षों के दौरान सौर ऊर्जा, रूफटॉप सोलर, बायो-ऊर्जा एवं अन्य नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के अंतर्गत कितनी नई क्षमता स्थापित की गई है,तत्संबंधी जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का हरियाणा में हरित हाइड्रोजन, सौर पार्कों एवं कृषि सौर ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए कोई विशेष योजना अथवा वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार ने हरियाणा में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के माध्यम से रोजगार सृजन, औद्योगिक निवेश तथा कार्बन उत्सर्जन में कमी के प्रभाव का आकलन किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री

(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा (एनआरई) विभाग, हरियाणा सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार, हरियाणा में पिछले दो वर्षों के दौरान स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) क्षमता का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

क्षेत्र	क्षमता
सामाजिक क्षेत्र, गौशालाओं और सरकारी भवनों में रूफटॉप सोलर	4124.5 kW
सौर जल पंपिंग प्रणाली - पीएम-कुसुम घटक-ख	570.17 MW
एनआरई विभाग, हरियाणा द्वारा पंजीकृत सौर विद्युत परियोजनाएं	464.34 MW
स्ट्रीट लाइट	1133 kW
बायोमास परियोजनाएं	34 MW

जिला-वार ब्यौरा **अनुलग्नक** में दिया गया है।

(ख) ग्रीन हाइड्रोजन को बढ़ावा देने के लिए, सरकार, भारत को ग्रीन हाइड्रोजन और इसके डेरिवेटिव के उत्पादन, उपयोग और निर्यात का वैश्विक केंद्र बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन का कार्यान्वयन कर रही है। इस योजना में 19,744 करोड़ रुपये की केंद्रीय वित्तीय सहायता

(सीएफए) परिव्यय के साथ वर्ष 2030 तक कम से कम 5 मिलियन मीट्रिक टन वार्षिक ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता की व्यवस्था है।

इसके अतिरिक्त, सौर पार्कों को बढ़ावा देने के लिए, सरकार 8,100 करोड़ रुपये के सीएफए परिव्यय के साथ सौर पार्कों और अल्ट्रा मेगा सौर विद्युत परियोजनाओं के विकास के लिए योजना का कार्यान्वयन कर रही है। कृषि में सौरीकरण के लिए, सरकार 34,422 करोड़ रुपये के सीएफए परिव्यय के साथ पीएम किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) का कार्यान्वयन कर रही है। ये सभी योजनाएं हरियाणा राज्य सहित पूरे देश में कार्यान्वित की जा रही हैं।

(ग) यह आकलन किया गया है कि ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद (सीईईडब्ल्यू) द्वारा "ड्राइविंग एनर्जी ट्रांजिशन - वर्कफोर्स, स्किल्स एंड जेंडर इन इंडियाज रिन्युएबल एनर्जी सेक्टर" पर किए गए अध्ययन के अनुसार, जून, 2026 तक हरियाणा राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 1.28 लाख रोजगार के अवसर पैदा होने का अनुमान है।

देश में अधिकांश उपयोगिता-पैमाने की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं डेवलपर्स द्वारा स्थापित की जा रही हैं, जिनका चयन पारदर्शी बोली प्रक्रिया के माध्यम से किया गया है। दिनांक 30 जून, 2026 की स्थिति के अनुसार, हरियाणा राज्य में 2,802.18 मेगावाट सौर विद्युत, 73.50 मेगावाट लघु जलविद्युत और 330.88 मेगावाट जैव-विद्युत की कुल क्षमता स्थापित की गई है। नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना की औसत पूंजीगत लागत (सांकेतिक) निम्नानुसार है:

आरई पावर प्लांट का प्रकार	**औसत पूंजी लागत (सांकेतिक) (करोड़ रु./मेगावाट में)**
सौर विद्युत	~ 4
जैव-विद्युत	~ 6-8
लघु जल विद्युत	~ 10

नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की लागत प्रौद्योगिकी, स्थान, स्तर और संसाधन उपलब्धता जैसे कारकों के आधार पर अलग-अलग हो सकती है।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से प्राप्त सूचना के अनुसार, नवीकरणीय ऊर्जा योजनाओं/नीतियों के कार्यान्वयन के कारण ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जनों में कमी की सूचना राष्ट्रीय स्तर पर दी गई है। अप्रैल 2026 में जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC) को प्रस्तुत भारत की पहली द्विवार्षिक ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट (BTR1) के अनुसार, सौर विद्युत नीतियों/योजनाओं के कार्यान्वयन के कारण भारत में कम किए गए ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन का अनुमान 2021 और 2022 में क्रमशः 55.5 और 76.9 मिलियन टन CO_2 समतुल्य ($MtCO_2e$) था। इसी प्रकार, पवन विद्युत नीतियों/योजनाओं के कार्यान्वयन के कारण जीएचजी उत्सर्जन में 2021 और 2022 में क्रमशः 52.5 और 57.5 $MtCO_2e$ की कमी होने का अनुमान है।

अनुलग्नक-I

दिनांक 07.08.2026 को पूछे गए राज्य सभा अतारांकित प्रश्न सं. 2698 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक-I

पिछले दो वर्षों के दौरान हरियाणा में स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा का जिला-वार विवरण

क्र. सं.	जिला	ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप (जीसीआरटी) सौर संयंत्रों की क्षमता (kW)	सौर पंप क्षमता (kW)	पंजीकृत मेगावाट स्केल सौर ऊर्जा परियोजनाएं (MW)	सोलर स्ट्रीट लाइट क्षमता (in kW)
1	अम्बाला	358	4131	20.5	35
2	भिवानी	135	47995	177.4	340
3	चरखी दादरी	36	9999	5	0
4	फरीदाबाद	48	2543	4	13
5	फतेहाबाद	87	49137	0	0
6	गुरुग्राम	132	10995	0	45
7	हिसार	345.5	111520	36.3	7
8	झज्जर	5	25841	3.165	0
9	जींद	628.5	66209	0	20
10	कैथल	167	11225	2.59	7
11	करनाल	90	2790	0.95	45
12	कुरूक्षेत्र	256	1018	1	20
13	महेंद्रगढ़	0	11852	24.456	11
14	नूह	2	2274	0	7
15	पलवल	5	7741	0	25
16	पंचकुला	579	861	0	89
17	पानीपत	187.5	2259	0	21
18	रेवाड़ी	25	19289	3	213
19	रोहतक	366	23016	2	37
20	सिरसा	200	124640	183.98	52
21	सोनीपत	294	30783	0	40
22	यमुनानगर	178	4059	0	106
	कुल	**4124.5**	**570176**	**464.341**	**1133**

बायोमास परियोजनाएं				
क्र. सं.	**संयंत्र का नाम**	**जिला**	**परियोजना का प्रकार**	**क्षमता (MW)**
1	जींद बायो एनर्जी	जींद	धान की पराली	9.9
2	फतेहाबाद बायो एनर्जी	फतेहाबाद	धान की पराली	9.9
3	हरियाणा लिकर्स प्राइवेट लिमिटेड	करनाल	बायोमास	14.2
	कुल			34.0

*****